10th (1)

32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject : Hindi

विषय कोड Subject Code : 401

परीक्षा का दिनांक /Date of Exam: 050224

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : Hindi

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper : B

गोले भरने हेतु उदाहरण :–
सही तरीका :– ● ○ ○ ○
गलत तरीका :– ⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :–
इस शीट को भरने के पूर्व पृष्ठ भाग में दिए गए उदाहरण देखें।

ID NO. 6659395
SUB. 401 HINDI
Med. 6
Bag 74010269

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाए

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

श्रीमति सुनीता कोरी (उ.मा.शि.)
V.No. 003024
मो. 9098417796

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 01

सही विकल्प चुनकर लिखें :-

उ०-(i) :- सुमित्रानंदन पंत

उ० (ii) :- दो फुट

उ० (iii)- रामवृक्ष बेनीपुरी

उ० (iv)- सूरदास

उ० (v) सन् 1899

उ० (vi) कोहरा

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 3 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 02

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

उ० (i) 8 (आठ)

उ० (ii) (दो) 2

उ० (iii) सूरदास

उ० (iv) 13-13

उ० (v) 4 (चार)

उ० (vi) 1900

[redacted]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र 03

सही जोड़ी :-

(क)		(ख)
(i) चौपाई	-	16
(ii) एक अंक	-	एकांकी
(iii) शिवपूजन सहाय	-	माता का आँचल
(iv) रामवृक्ष बेनीपुरी	-	मुजफ्फरपुर
(v) मैथलीशरण गुप्त	-	पंचवटी
(vi) रिसाई	-	क्रोध करना

(5)

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

www.oddyindia.com

प्रश्न क्र० 04

एक वाक्य में उत्तर लिखिए -

उ० (i) कवि नागार्जुन का मूल नाम "वैद्यनाथ मिश्र" है।

उ० (ii) निराला रचनावली "आठ खण्डों" में है।

उ० (iii) रामचरितमानस का मुख्य छंद "चौपाई" है।

उ० (iv) विनय पत्रिका की रचना "ब्रज भाषा" में हुई है।

उ० (v) कामायनी "जयशंकर प्रसाद" की रचना है।

उ० (vi) 'अट नहीं रही' कविता फागुन माह की वसंत ऋतु की सुंदरता को प्रकट करती है।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 05

सत्य / असत्य चयन कर लिखिए -

उ० (i) असत्य।

उ० (ii) सत्य।

उ० (iii) सत्य।

उ० (iv) सत्य।

उ० (v) सत्य।

उ० (vi) असत्य।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 06

उत्तर ⇒ ~~भग~~ भगत की पुत्रवधू जानती थी कि भगत जी इस संसार में अकेले हैं। उनका एकमात्र पुत्र भी मर चुका है। वे साधू है तथा भक्त है। ~~इसीलिए पुत्र~~ वे अपने खाने-पीने का तथा अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान नहीं रखते हैं। यही कारण ~~था~~ कि पुत्रवधू सेवाभाव से भगत जी के चरणों की छाया में अपना दिन बिताना चाहती थी और उनके लिए खाने-पीने एवं दवा की व्यवस्था करना चाहती थी।

प्रश्न क्र० 07 (अथवा)

उत्तर ⇒ उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ ने अस्सी वर्षों से भी अधिक शहनाई वादन किया। उन्हें शहनाई के हर लय, तुक आदि का पूर्ण ज्ञान था। शहनाई वादन के लिए उन्हें भारत-रत्न से भी आलंकृत किया गया था। इसीलिए बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक कहा जाता है।

JRYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 08

उ०→ गद्य की चार विधाओं के नाम निम्न लिखित हैं:-

(i) निबंध
(ii) नाटक
(iii) एकांकी
(iv) उपन्यास

प्रश्न क्र० 09

उ-तर→

संधि	समास
(i) संधि का अर्थ है-'मेल' या 'योग' करना।	(i) समास का अर्थ है - 'संक्षेप करना'।
(ii) संधि के तीन भेद होते हैं।	(ii) समास के छः भेद होते हैं।

प्रश्न क्र.

उदाहरण :- विद्या + आलय = ~~विद्यालय~~ विद्यालय।	उदाहरण :- राजपुत्र = राजा का पुत्र।

प्रश्न क्र० 10 (अथवा)

उत्तर ⇒ खेलने में बच्चे की स्वाभाविक रुचि होती है। उसे जब भी उसके साथी ~~बच्चे~~ बच्चे खेलते दिख जाते है तो वह खेल खेलने में रम जाता है। वह बाकी सब कुछ भूलकर खेल में मगन हो जाता है। यही कारण है कि जो भोलानाथ अपनी पिता की गोद में सिसक रहा था वह अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता है।

प्रश्न क्र० 11

उत्तर ⇒ नागार्जुन की दो रचनाएँ निम्न लिखित है :-

(i) 'युगधारा'
(ii) 'सतरंगे पंखों वाली'

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 12

उत्तर ⇒ ‖ कवि : सूरदास जी ‖

(i) रचनाएँ ⇒ (i) सूरसागर
(ii) सूर सारावली

B S E

(ii) भावपक्ष ⇒ सूरदास जी भक्तिकाल की कृष्ण भक्ति शाखा की प्रमुख कवि है तथा अष्टछाप कवियों में सर्वाधिक प्रसिद्ध है। सूरदास जी 'वात्सल्य' तथा श्रृंगार रस के श्रेष्ठ कवि है। खेतीबारी तथा पशुपालन वाले भारतीय समाज का दैनिक अंतरंग का चित्र सूर की कविताओं में देखने को मिलता है। तथा सूरदास जी के काव्य सहज मानवीय प्रेम की प्रतिष्ठा करते हैं।

11

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 13

उत्तर ⇒ फसल ढेर सारी नदियों के पानी का जादू है, लाखों-करोड़ों किसानों के हाथों की मेहनत है, भूरि-काली-संदली आदि ~~मिट्टियों~~ मिट्टियों का गुण-धर्म है, सूर्य की ताप-धूप का रूप परिवर्तन है तथा हवा की थिरकन का प्रभाव है।

प्रश्न क्र० 14

उत्तर ⇒ कविता में बादल कई अर्थों की ओर संकेत करता है। जैसे -

(i) बादलों के पानी से धरती पर नया अंकुर पैदा होता ~~कहता~~ है। अतः बादल धन-धान्य पैदा करने वाला होता है।

(ii) बादलों का पानी प्राणियों के मन को शीतलता प्रदान करता है।

(iii) बादल प्राणियों के मन में जोश, उमंग, उत्साह आदि जगाने

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

वाले होते हैं।

प्रश्न क्र० 15 (अथवा)

उत्तर ⇒ पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार :
जहाँ एक ही शब्द का समान रूप में एक से अधिक बार प्रयोग होता है, वहाँ "पुनरुक्ति प्रकाश" अलंकार होती है।

उदाहरण :- पुनि-पुनि मुनि उकसहिं अकुलाही।

⇒ यहाँ पर "पुनि" शब्द का दो बार प्रयोग होने के कारण पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।

B
S
E

SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 16

उत्तर ⇒ रस :-

रस का अर्थ होता है 'आनंद की अनुभूति'। किसी काव्य को पढ़ने, सुनने या उसका दृश्य देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, उसे रस कहा जाता है। रस को काव्य की आत्मा बताई गई है। आ० रामचन्द्र शुक्ल जी के अनुसार- "रसात्मकं वाक्यं काव्यम्" अर्थात्, रस युक्त वाक्य ही काव्य है।

उदाहरण :-

हाथी जैसी देह, गेंडे जैसी घाल।
तरबूजे सी खोपड़ी, खरबूजे से गाल।।

यहाँ हँसी का अनुभव हो रहा है, इसलिए यहाँ हास्य रस है।

B S E

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 17

लेखक : रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर ⇒ (i) दो रचनाएं ⇒ (i) "चिता के फूल"
(ii) "माटी की मूरतें"

(ii) भाषा शैली ⇒ रामवृक्ष बेनीपुरी जी की भाषा सरल, सुबोध व सुस्पष्ट है। वे एक प्रतिभाशाली पत्रकार भी थे। विशिष्ट शैलीकार होने के कारण उन्हें "कलम का जादूगर" भी कहा जाता है। इनकी रचनाओं में मुहावरें एवं लोकोक्तियों का भी प्रयोग हुआ है।

B
S
I

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 18 (अथवा)

~~संदर्भ~~ → आषाढ़ - - - - - - - - - - - - - - - - - - - कौन है?

संदर्भ ⇒ प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक "क्षितिज" के पाठ "बालगोबिन भगत" से लिया गया है। इसके लेखक "रामवृक्ष बेनीपुरी जी" है।

प्रसंग ⇒ आषाढ़ माह का उल्लेख करते हुए लेखक ~~कहते~~ हैं ~~कि~~ ~~इसके~~ गाँव के वातावरण के बारे मे बताते हैं।

व्याख्या ⇒ आषाढ़ माह की रिमझिम मे सारा गाँव खेतों पर काम कर रहा है। कही पर हल चलाए जा रहे हैं तो कहीं पर धान रोपी जा रही है। बच्चे खेतों में उछल-कूद कर रहे हैं और औरते सवेरे का जलपान लेकर मेड पर बैठी है। आसमान में बदली छायी हुई है, बिल्कुल भी धूप नहीं निकली है। पूरब की ओर चलने वाली ठंडी हवा चल रही है। इस वातावरण में एक स्वर कानों पर झंकार मारता सुनाई पड़ता है। लेखक प्रश्न करते हैं कि आखिर ये कौन है।

प्रश्न क्र.

विशेष :-

(i) आषाढ़ माह के समय खेतों और गाँव का वातावरण चित्रित किया गया है।

(ii) सरल, सुबोध भाषा का ~~प्रयो~~ प्रयोग हुआ है।

प्रश्न क्र.19 (अथवा)

उत्तर :-

रमेश : अरे सुरेश! बड़े दिनों बाद ~~दिख~~ दिख रहे हो।

सुरेश : हाँ भाई! मैं कुछ दिनों से शहर के बाहर था।

रमेश : अच्छा! कहाँ?

सुरेश : भोपाल।

रमेश : क्यूँ! वहाँ पर तो तुम्हारा कोई रिश्तेदार भी नहीं रहता।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

सुरेश : अच्छा हाँ ! मैं तुम्हें बताना भूल गया था कि मेरा क्षेत्रीय स्तर पर क्रिकेट के लिए चुनाव हो गया है।

रमेश : अरे वाह! यह तो बहुत हर्ष की बात है। तुम्हारी क्रिकेट मे भी रुचि है?

सुरेश : हाँ यह मेरा पसंदीदा खेल है।

~~सुरेश~~ : बहुत बढ़िया ! तो कैसा चल रहा है तुम्हारा अभ्यास!

सुरेश : अच्छा चल रहा है। बस थोड़ी थकान हो जाती है। परन्तु मन एकदम रिफ्रेश हो जाता है।

~~सुरेश~~ : तुम सही कह रहे हो। अपनी रुचि के अनुसार खेल खेलकर हम अपने जीवन का लक्ष्य भी साध सकते हैं।

सुरेश : हाँ भाई! मैं भी एक सफल क्रिकेटर बनने की इच्छा रखता हूँ। आखिर यह मेरा प्रिय खेल है।

~~सुरेश~~ रमेश : तुम जरूर सफल होगे। मेरी शुभकामनाएँ तुम्हारे साथ हैं।

B
S
E

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० २० (अथवा)

संकेत→ जिसके अरुण _ _ _ _ _ _ _ _ _ _व्यथा।

संदर्भ→ प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक "क्षितिज" के पाठ "आत्मकथ्य" से ली गई हैं। इसके कवि छायावादी युग के प्रमुख "जयशंकर प्रसाद" जी है।

प्रसंग→ प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने अपनी रूपवती का उल्लेख किया है।

भावार्थ→ कवि कहते हैं कि उनकी पत्नी के लाल गाल इतने सुंदर थे कि प्रेम भरी उषा (भोर) भी उसके लाल गालों से अपना सौभाग्य (सिंदूर) उधार लेती थी। कवि कहते हैं कि उनकी पत्नी के साथ बिताए गए पलों की यादें ही उनके आने वाले जीवन का सहारा बनी हुई है। कवि मित्रों से प्रश्न करते हैं कि तुम मेरे अंतर्मन की गुदड़ी कुरेदकर क्यों देखना चाहते हो? मेरा जीवन बहुत ही छोटा व साधारण है। मेरे जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे पढ़ा जा सके। कवि कहते हैं कि उनकी मन की पीड़ाएँ अब शांत हो

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

गई है इसलिए अभी आत्मकथा लिखने का समय नहीं है।

विशेष :- (i) कवि अपनी पत्नी के गालों की सुंदरता का वर्णन करते हैं।

(ii) ~~सुद्ध~~ शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है।

B
S
E

प्रश्न क्र० 22

"विज्ञान के बढ़ते चरण"

रूपरेखा :- (i) प्रस्तावना
(ii) आज के जीवन में विज्ञान का महत्व
(iii) विज्ञान के दुष्प्रभाव
(iv) उपसंहार

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

"विज्ञान का हमने किया है जन्म,
यह है हमारे लिए अमूल्य धन।"

1] प्रस्तावना :— आज के युग में विज्ञान ने हमें अनेक सुख-साधन दिए हैं। विज्ञान ने हमारे जीवन को सरल बनाया है। फ्रिज, वातानुकूलन, टेलिविज़न आदि सभी विज्ञान की ही देन हैं। विज्ञान ने कई असंभव चीज़ों को संभव बनाया है।

2] आज के जीवन में विज्ञान का महत्व :— आज के जीवन में विज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अति प्रभावपूर्ण उदाहरण हम देख ही चुके हैं। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को भी विज्ञान की सहायता से हम मात दे पाए हैं। शिक्षण क्षेत्र में भी आज अनेक संस्था ऑनलाइन काम कर रही हैं। विज्ञान का हमारे जीवन में बहुत बड़ा योगदान है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
प्रश्न क्र.

3) विज्ञान के दुष्प्रभाव :- विज्ञान ने जहाँ एक ओर हमारे लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है वहीं दूसरी ओर दु:ख भी सृजन किया है। आज मानव ने अपने स्वार्थ के लिए अनेक खतरनाक खोजे की है। किसान अधिक पैदावार पाने हेतु तरह-तरह के रासायनिक खाद्यानों का प्रयोग करते हैं जो कि पानी में घुलकर "एसिड रैन" तथा "ग्लोबल वॉरमिंग" को बढ़ावा देते है। परमाणु बम भी इसी का परिणाम है।

4) उपसंहार :- जिस प्रकार एक सिक्के के दो पहलु होते हैं उसी प्रकार विज्ञान के भी दो पहलु है। अगर बिना रोकथाम के इसका प्रयोग किया जाए तो यह विनाश कारी सिद्ध हो सकता है। मानव के लिए यह जरूरी है कि विज्ञान का ठीक प्रकार उपयोग करें। ताकि हमें निरंतर सुख भी प्राप्त होता रहे और पर्यावरण भी दूषित न हो।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 21

प्रति,
    जिलाधीश महोदय,
    जिला कार्यालय,
    मण्डला, म० प्र०

दिनाँक :- फरवरी 05, २०२४

विषय : ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने हेतु।

महोदय जी,
        सविनय निवेदन है कि मैं प्रार्थी अनुष्का कक्षा दसवीं की नियमित छात्रा हूँ। हमारी वार्षिक बोर्ड परीक्षायें शुरु हो चुकी हैं। ऐसे समय में जरुरी है कि हम अपनी तैयारियों में अध्ययनरत रहे। परंतु आजकल हमारे नगर में जोरों से लाउड-स्पीकर आदि बजाए जा रहे हैं जिससे कि हमें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।
        अतः महोदय जी से निवेदन है कि अपने अधिनस्त थाना कर्मचारियों को सूचित कर परीक्षा अवधी तक ध्वनि विस्तारक ~~यं~~ यंत्रों पर प्रतिबंध लगवाने की कृपा करें।

B
S
E

योग पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ 23 के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

वास्ते विनय पेश है।

प्रार्थी
नाम → अनुष्का अग्रवाल

प्रश्न क्र० 23

उत्तर 01:-
"हिमालय पर्वत।"

उत्तर 02:- हिमालय को देखकर सारी सृष्टि के प्रति समभाव जाग्रत हो जाता है।

उत्तर 03:- शीर्षक: "हिमालय पर्वत"

हिमालय पर्वत को वैदिक काल से ही पवित्र माना जाता है। हिमालय पर्वत बहुत ही सुंदर होता है। इसे देखकर हमारे मन में सारी सृष्टि के प्रति एकता जाग जाती है। उसका दृश्य बहुत ही सुंदर होता है।

BSE